FORB Learning Platform

स्क्रिप्ट: धर्म या विश्वास की आज़ादी - एक परिचय

आठ प्रस्तुतियों के सेट की यह पहली प्रस्तुति है जिसके द्वारा हम यह देख रहे हैं कि विचार, अंत:करण, धर्म या विश्वास की आज़ादी के मानव अधिकार में क्या शामिल है, और अगर यह सीमित हो सकता है, तो कब। इस संक्षिप्त परिचय में, हम इस विचार से शुरू करेंगे कि मानव अधिकारों के तहत कौन या क्या सुरक्षित है, और कि धर्म या विश्वास की आज़ादी हमें कौन से अधिकार देती है।

मैं आपसे एक सवाल पूछ कर इसे शुरू करना चाहता हूं!
धर्म या विश्वास की आज़ादी के मानव अधिकार के तहत कौन से धर्म सुरक्षित हैं?
क्या आपको लगता है कि इसमें विश्व के प्रमुख धर्म शामिल हैं?
या इसमें सभी धर्म हैं, जिनमें छोटे या असाधारण धर्म शामिल हैं?
या शायद इसमें सभी धर्म शामिल हैं, और सभी प्रकार के विश्वास भी?

दरअसल, यह एक चालंकी भरा सवाल था. **मैंने** आपसे पूछा कि कौन से धर्म सुरक्षित हैं। लोग अक्सर मानते हैं कि धर्म या विश्वास की आज़ादी, धर्मों और विश्वासों की रक्षा करती है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है! अन्य सभी मानव अधिकारों की तरह, धर्म या विश्वास की आज़ादी 'लोगों की रक्षा' करती है, अपने आप में धर्म और विश्वास की नहीं.
धर्म या विश्वास की आज़ादी उन लोगों की सुरक्षा करती है जो अपने आप को ऐसे धर्म के साथ जोड़ते हैं या उस पर विश्वास रखते हैं या पुराने धर्म, नए धर्म, देश के पारम्परिक धर्म, और ऐसे धर्म जो देश में पारंपरिक न भी हों। ये उन लोगों की भी रक्षा करता है जो मौलिक सवालों के बारे में गैर-धार्मिक मान्यता वाले लोग हैं, जैसे कि नास्तिक,

मानववादि और शांतिवादी। चाहे वे किसी भी देश में क्यों न रहते हों।
धर्म या विश्वास की आज़ादी ऐसे लोगों की भी रक्षा करती है जो धर्म या विश्वास की बिल्कुल परवाह नहीं करते हैं।
दूसरे शब्दों में, धर्म या विश्वास की आज़ादी हरेक की रक्षा करती है!
तो अब हमारे पास किस तरह की सुरक्षा या अधिकार हैं? यह जानने के लिए हमें अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार घोषणाओं और अनुबंधों को देखने की ज़रुरत पड़ेगी । इनमें दो सबसे महत्वपूर्ण हैं:

संयुक्त राष्ट्र के मानव अधिकारों की सावर्भोम घोषणा के अनुच्छेद 18 को,
संयुक्त राष्ट्र के नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध के अनुच्छेद 18 को

जब कि एक ओर संयुक्त राष्ट्र घोषणायें, राजनीतिक इरादों का उल्लेख करती हैं, वहीं दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र के अनुबंध और सम्मेलन कानूनन तौर पर बाध्यकारी हैं। आइए अब हम नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध के मज़मून को देखें।

अनुच्छेद 18

प्रत्येक व्यक्ति को विचार, अंत:करण और धर्म की आज़ादी का अधिकार होगा। इस अधिकार के तहत किसी भी व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार और स्वतंत्र होकर अपना धर्म मानने या दूसरा धर्म या विशवास अपनाने की आज़ादी होगी, और इसमें व्यक्तिगत रूप या समुदाय में दूसरों के साथ मिलकर, सार्वजनिक रूप में या निजी तौर पर अपने धर्म या विश्वास को आराधना, व्यवहार, क्रिया और शिक्षा द्वारा प्रकट करने की आज़ादी भी शामिल होगी.

2. किसी को भी ज़ोर-ज़बदास्ती का सामना नहीं करना होगा जिससे उसकी इच्छानुसार किसी धर्म या विश्वास को मानने या अपनाने की उसकी आज़ादी को हानि हो।

3. किसी भी धर्म या विश्वास को प्रकट करने की आज़ादी केवल उन सीमाओ के अधीन होगी जो कानून द्वारा निर्धारित हों, और जो जन-सुरक्षा, व्यवस्था, स्वास्थ या नैतिकता या दूसरों के मौलिक अधिकारों या आज़ादी की रक्षा के लिए ज़रूरी हों ।

4. वो राज्य जो वर्तमान अनुबंध बनाने मे भागीदार हैं, वे प्रतिज्ञा करते हैं कि उन माता-पिताओं, व जहां भी उचित हो, कानूनी अभिभावकों की आज़ादी का वे सम्मान करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके बच्चो की धार्मिक और नैतिक शिक्षा उनके अपने स्वयं के दृढ़ विश्वास के अनुरूप हो।

वास्तव मे इसका मतलब उन लोगों के लिये क्या है जिन्हे सुरक्षा मिली है ? हमारे पास क्या अधिकार हैं ? मैं सात विषयों को पेश करना चाहता हूं जो धर्म और विश्वास के संबंध में अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा प्रदान किए गए अधिकारों को उजागर करते हैं:

पहले दो विषय धर्म या विश्वास की आज़ादी के अधिकार के केंद्र का प्रतीक हैं:

- धर्म या विश्वास को मानने, चुनने, बदलने या छोड़ने की आज़ादी
- धर्म या विश्वास को मानने या प्रकट करने की आज़ादी ।
- इनके इलावा हमें ज़ोर-ज़बदास्ती से सुरक्षा का अधिकार है, और
- धर्म या विश्वास के मामलों में भेदभाव से सुरक्षा,
- धर्म और विश्वास के प्रति माता-पिता और बच्चों के अधिकार

- और विवेकशील आपत्ति करने का अधिकार।

धर्म या विश्वास की आज़ादी का एक महत्वपूर्ण तत्व यह भी है कि प्रदान किए गए अधिकारों को अगर सीमित किया जा सकता है, तो क्यों और कब।

वेबसाइट पर आपको इन विषयों में से प्रत्येक पर एक फिल्म मिलेगी, जिसमें गहराई से पता चलेगा कि वास्तव में अधिकारों का क्या मतलब है।

Copyright: SMC 2018